अनुक्रमांक ....

कूट सं. : 8201718H2-T2(M)

कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में कुल 21 प्रश्न हैं और कुल 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

कक्षा - आठवीं

हिंदी

(द्वितीय सत्र)

निर्धारित समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 100

सामान्य निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं - 'क', 'ख', 'ग' और 'घ' ।
2. सभी खंड एवं प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. प्रश्नों के सभी उपभागों के उत्तर क्रमशः एक साथ लिखिए।
4. उत्तर पुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए जो प्रश्नपत्र में दी गई है।

खण्ड - 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है। क्योंकि साहित्यकार जो भी लिखे उसके पीछे वही सामाजिक परिवेश होता है, जिसमें वह रह रहा है। जरूरी नहीं है कि वह उसका यथातथ्य वर्णन करे, ऐसा तो पत्रकार करते हैं, वह सामाजिक स्थितियों से प्रेरणा ग्रहण कर उन्हें कल्पना और कलात्मकता से प्रस्तुत करता है। इसलिए समाज का परिवेश, उसकी मान्यताएँ, उसकी गति की दिशा सब कुछ साहित्य में प्रतिबिंबित होती है। जैसे - दर्पण में। साहित्य अपने युग का भावात्मक तथा रागात्मक चित्र प्रस्तुत करता है जो तत्कालीन समाज को शिक्षा ही प्रदान नहीं करता उसे प्रेरित भी करता है। प्रत्येक युग में दो प्रकार के साहित्य का सृजन होता है। एक सामाजिक दायित्व है जो युग की अनेक समस्याओं का आकलन और मूल्यांकन, युग विशेष की प्रचलित मान्यताओं और विचार-सारणियों से करता है। ऐसा साहित्य समाज का तत्कालीन दर्पण तो बन जाता है किंतु उनकी समस्याओं का

हल प्रस्तुत हो जाने पर उस साहित्य का मूल्य घट जाता है। ऐसा साहित्य कुछ वर्षों तक युग की परिस्थितियों की माँग का सिंदूर बना रहता है; किंतु कालांतर में परिस्थितियों के बदल जाने पर वह नष्ट हो जाता है। शाश्वत साहित्य अपने युग का प्रतिनिधित्व करते हुए युग-युग का बन जाता है। वह किसी काल की सीमा-रेखा से बँधा नहीं होता। अधिकतर ऐसा साहित्य अपने युग में उतना सम्मान नहीं पाता जितना भविष्य में पाता है।

(क) साहित्य को समाज का दर्पण क्यों कहा जाता है? 2

(ख) साहित्यकार और पत्रकार की प्रस्तुतियों में मूलभूत अंतर क्या है? 2

(ग) समाज का दर्पण होने पर भी कोई साहित्य कब मूल्य खो देता है? 2

(घ) शाश्वत साहित्य से क्या तात्पर्य है? 1

(ङ) कैसा साहित्य अपने युग में उतना सम्मानित नहीं होता जितना भविष्य में? ऐसा क्यों? 2

(च) 'शाश्वत' शब्द का विलोम शब्द लिखिए। 1

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

सतपुड़ा के घने जंगल
नींद में डूबे हुए से
ऊँघते अनमने जंगल।
झाड़ ऊँचे और नीचे
चुप खड़े हैं आँख मींचे;
घास चुप है, काश चुप है
मूक शाल, पलाश चुप है;
बन सके तो धँसो इनमें
धँस न पाती हवा जिनमें

सतपुड़ा के घने जंगल
नींद में डूबे हुए-से
ऊँघते, अनमने जंगल।
सड़े पत्ते, गले पत्ते
हरे पत्ते, जले पत्ते
वन्य पथ को ढक रहे-से
पंक दल में पले पत्ते,
चलो इन पर चल सको तो
दलो इनको दल सको तो
ये घिनौने-घने जंगल
नींद में डूबे हुए-से
ऊँघते, अनमने जंगल।

(क) सतपुड़ा के जंगल के अनमने होने के दो कारण क्या हैं? 1

(ख) 'धंस न पाती हवा' का क्या अर्थ है और यह किसका प्रतीक है? 1

(ग) जंगल को घिनौना क्यों कहा गया है? 1

(घ) 'नींद में डूबे हुए-से' पंक्ति में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है? 1

(ङ) जंगल के रास्ते की कैसी स्थिति है? 1

खण्ड - 'ख'

3. निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार तथा अनुनासिक चिह्न उचित स्थान पर लगाइए - 1+1=2

   (i) भावनाए (ii) प्रशसा

4. (क) 'सुकन्या' शब्द में से उपसर्ग एवं मूल शब्द अलग करके लिखिए। ½+½=1

   (ख) 'ईला' प्रत्यय लगाकर एक शब्द बनाइए। 1

5. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए – 1+1=2

(i) उपाध्यक्ष (ii) जगदीश (iii) षडानन

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक की संधि कीजिए – 1

(i) उत्+चारण (ii) सत्+जन

6. 'युवक' तथा 'देव' शब्द से भाववाचक संज्ञा बनाइए। 1

7. (क) निम्नलिखित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए – 1+1=2

(i) पृथ्वी (ii) आग

(ख) 'उत्तीर्ण' का विलोम शब्द लिखिए। 1

(ग) निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए – 1

जो स्वयं पैदा हुआ हो।

8. (क) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार हल कीजिए – 1+1=2

(i) श्याम अच्छा खिलाड़ी होते हुए भी पढ़ने में तेज़ है। (संयुक्त वाक्य)

(ii) मुझे परीक्षा देनी है, इसलिए मुंबई जा रहा हूँ। (सरल वाक्य)

(ख) अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताइए – 1

काश! हम चाँद की सैर करते।

9. निम्नलिखित वाक्य में उचित निपात लगाकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए – 1

यह काम कर .... लेने दो।

10. (क) निम्नलिखित में से किसी एक समस्त पद का विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए – 1

(i) पिताांबर (ii) भरपेट

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक का समस्त पद बनाइए – 1

(i) अमीर और गरीब (ii) हाथ ही हाथ में

11. (क) निम्नलिखित वाक्य में उचित विराम चिह्न लगाइए - 1

दोनों हिल मिलकर अमन चैन से रहें

(ख) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त विराम चिह्नों के नाम लिखिए - 1

अरे! तुम कहाँ चले गए थे?

12. निम्नलिखित में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए - 2

(i) एड़ी चोटी का ज़ोर लगाना (ii) नाक में दम करना

13. 'यमक' अथवा श्लेष अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 1+2=3

खण्ड - 'ग'

14. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

चिंता को लोग चिता कहते हैं। जिसे किसी प्रचंड चिंता ने पकड़ लिया, उस बेचारे की ज़िंदगी खराब हो जाती है। किंतु ईर्ष्या शायद चिंता से भी बदतर चीज़ है, क्योंकि वह मनुष्य के मौलिक गुणों को ही कुंठित बना डालती है। मृत्यु, शायद फिर भी श्रेष्ठ है बनिस्पत इसके कि हमें अपने गुणों को कुंठित बनाकर जीना पड़े। चिंता-दग्ध मनुष्य समाज की दया का पात्र है। किंतु ईर्ष्या से जला-भुना आदमी ज़हर की एक चलती-फिरती गठरी के समान है जो हर जगह वायु को दूषित करती फिरती है।

(क) चिंता को चिता के समान क्यों कहा गया है? 1

(ख) ईर्ष्या चिंता से बदतर क्यों मानी जाती है? 1

(ग) मृत्यु चिंता से कब श्रेष्ठ बन जाती है? 1

(घ) समाज की दया का पात्र किसे कहा गया है? 1

(ङ) गद्यांश के पाठ व लेखक का नाम लिखिए। ½+½=1

15. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

मैया कबहिं बढ़ैगी चोटी।
किती बार मोहिं दूध पिवत भई यह अजहूँ है छोटी।।
तू तो कहति बल की बैनी ज्यों ह्वै है लांबी मोटी।
काढ़त गुहत न्हवावत ओछत नागिनी-सी भुंई लोटी।।
काचो दूध पिवावति पचि-पचि देत न माखन रोटी।
सूर स्याम चिरजीवौ दोउ भैया हरि-हलधर की जोटी।।

(क) चोटी के न बढ़ने की शिकायत माता यशोदा से कौन कर रहा है? 1

(ख) श्रीकृष्ण बार-बार किस लालच में दूध पीते हैं? 1

(ग) 'बल' शब्द किसके लिए प्रयोग में लाया गया है? 1

(घ) चोटी नागिन के समान ज़मीन को कब छूने लगेगी? 1

(ङ) 'नागिनी-सी' में कौन सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है? 1

16. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>छः</u> प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए- 2×6=12

(क) कल्पना चावला के सपने को साकार करने में किन-किन लोगों का योगदान रहा?

(ख) 'पौधों के पंख' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक को स्वयं पर झुंझलाहट क्यों हो रही थी?

(ग) दोपहर बीत जाने के बाद संध्या के समय भी कोई बाहर क्यों नहीं निकलता है?

(घ) 'बहू की विदा' पाठ के आधार पर जीवनलाल के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

(ङ) 'सोना' पाठ में लेखिका बद्रीनाथ की यात्रा पर किसे ले गई और क्यों?

(च) हेलर केलर के जीवन से आपको क्या सीख मिलती है?

(छ) नीत्से ने ईर्ष्यालु लोगों को किसके समान बताया है?

17. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>छः</u> प्रश्नों के विस्तृत उत्तर (50-60) शब्दों में लिखिए- 3×6=18

(क) 'केबल टी.वी. नई पीढ़ी के लिए नुकसानदेह है।' लेखक के इस कथन के बारे में अपने विचार लिखिए।

(ख) गाँधीजी के व्यक्तित्व से आप किन जीवन मूल्यों को ग्रहण करेंगे?

(ग) बातचीत की कला में निपुण होने के लिए किन गुणों का होना आवश्यक है?

(घ) 'कामचोर' कहानी आज के युवा वर्ग को क्या संदेश देती है?

(ङ) सोना का परिचय देते हुए उसके रूप सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

(च) लेखक ने ईर्ष्या को अनोखा वरदान क्यों कहा है?

(छ) मनुष्य ईश्वर को प्राप्त करने के लिए कहाँ-कहाँ खोजता रहता है?

18. कल्पना के व्यक्तित्व से आपको किन-किन गुणों को अपनाने की प्रेरणा मिलती है? वर्णन कीजिए।

<u>अथवा</u> 5

प्राय: व्यक्ति अपने मनोरंजन या किसी स्वार्थ के कारण पशु-पक्षियों को नुकसान पहुँचाते हैं। आपकी दृष्टि में क्या ऐसा करना उचित है? अपने उत्तर के लिए तर्क भी दीजिए।

खण्ड - 'घ'

19. निम्नलिखित विषयों में से किसी <u>एक</u> विषय पर (80-100 शब्दों में) अनुच्छेद लिखिए- 5

(i) स्वस्थ जीवन के लिए व्यायाम

(ii) विकास का आधार : अनुशासन

(iii) मेरा प्रिय धारावाहिक

20. आप मधुर / मधुरिमा हैं। रास्ते में साइकिल खराब (पंचर) हो जाने के कारण विद्यालय विलंब से पहुँचने पर विद्यालय में प्रवेश हेतु प्रधानाचार्य / प्रधानाचार्या को प्रार्थना-पत्र लिखिए। 5

21. अपने जीवन से जुड़ा कोई रोचक संस्मरण डायरी शैली में लिखिए। 5